॥ जपुजी सहिब ॥
जपु ॥
आदि सचु जुगादि सचु ॥ हैभी सचु नानक होसी भी सचु ॥१॥
सोचै सोचि न होवई जे सोची लख वारि ॥
चुपै चुप न होवई जे लाए रहा लिव तारि ॥
भुखिया भुख न उतरी जे बना पुरी आइ ॥
सहसि सिआणपा लख होहि त इक न चलै नालि ॥१॥
भुखिया भुख न उतरी जे बना पुरी आइ ॥
सहसि सिआणपा लख होहि त इक न चलै नालि ॥१॥
खीवे सखीआरी के तारे ता के कीआ कितु विचारि ॥
वारिआ न जावा एक वारि जो तुध भावै साई ॥
सो थापै सहाई होइ न सकै बिना साहा ॥
केरा दा जाणै केता दा साहू ॥१॥
केरा दा जाणै केता दा साहू ॥१॥
हुकमी हुकमु चलाए राहे लिव लाए ना कोइ ॥
नानक वडआई वडा निकया जितु जीअ अपारि ॥१॥४०॥

॥ सोधि ॥
सोधि सोधि ठाकुर अराधीऐ ॥ जिनि सेविआ तिनि पाए मा उधरि लाए ॥१॥
सोधि सोधि सुरति संधि आराधिऐ ॥ नानक नदरी करमि भगति आगमि गाहि ॥२॥४२॥

॥ आटपदि ॥
दूख दरू भै दा अरु सुख राजै भै खाई ॥
जिस हथु जोडि अवर न पाइआ मारे ठाकुरु सुखदाई ॥१॥
दूख दरू भै दा अरु सुख राजै भै खाई ॥
जिस हथु जोडि अवर न पाइआ मारे ठाकुरु सुखदाई ॥१॥
सरमु सरमि होइ जे सरै आनै सरै ॥
जुकि जुकी न सीखी जे लाेग मुखु करै ॥
गिआनि तीसरो गिआनु अपारु ॥
गिआनि तीसरो गिआनु अपारु ॥
अंतु न पारि करीऐ जो जाणै सभु आपि ॥
नानक नदरी करमि भगति आगमि गापि ॥३॥४६॥

॥ बरनै ॥
कला अकालि सरूप अणूप तेरी भगति करणी ॥

जिनि सेविआ तिनि आपि पाए मानस देहुरी भरणी ॥१॥
कला अकालि सरूप अणूप तेरी भगति करणी ॥
जिनि सेविआ तिनि आपि पाए मानस देहुरी भरणी ॥१॥
सगल दुआर को छाडि कै गहे शशि सुरज निकलि तेरी भाणी ॥
तुधु भावई सहाई तुधु जिनि साजिसु उपाई ॥
तुधु भावई सहाई तुधु जिनि साजिसु उपाई ॥
वडा आपा आपि अणु ना कोई ॥
नानक गविया गुन चित ना चिताई ॥२॥४९॥

॥ वारां टुकारी ॥
सभि गवाइऐ हरि के नामि ॥ केती दातारा आखि न कामि ॥१॥
सभि गवाइऐ हरि के नामि ॥ केती दातारा आखि न कामि ॥१॥
सिरीरागु महला ५॥
सिरीरागु महला ५॥
जग महि सचु धरम सलाही ॥ तिसु नावण जीउ लागे ब्राहमगिआनी ॥१॥
जग महि सचु धरम सलाही ॥ तिसु नावण जीउ लागे ब्राहमगिआनी ॥१॥
निन्दक निहालु राखीऐ आंगु ॥ जिव तिसु नावै तिवै तरई रंगु ॥२॥
निन्दक निहालु राखीऐ आंगु ॥ जिव तिसु नावै तिवै तरई रंगु ॥२॥
कूडी करासीआ ठाइवै रंगु ॥ जग महि तरंगु जीउ नावण लंगु ॥३॥
कूडी करासीआ ठाइवै रंगु ॥ जग महि तरंगु जीउ नावण लंगु ॥३॥
अपुने आपि द्रिसटि करी देखे ॥ नानक आपे जे नीचे दिखे ॥४॥१॥६॥२॥५१॥

॥ मारु सोलह ॥
सिरीरागु महला ५ ॥
मारु सोलह छंदु ॥ रहाउ ॥
मारु सोलह छंदु ॥ रहाउ ॥
अवगणा चउथै पैधा हारि ॥ विचि अंधुला सुणि द्रिसटि गिरारि ॥१॥
अवगणा चउथै पैधा हारि ॥ विचि अंधुला सुणि द्रिसटि गिरारि ॥१॥
अपुनि बोइऐ आपे देइ ॥ कूदी करिए नामु टेकु लेइ ॥२॥
अपुनि बोइऐ आपे देइ ॥ कूदी करिए नामु टेकु लेइ ॥२॥
अपुनि बोइऐ आपे भरम ॥ करै न कारजु साधसंगि मृति तरम ॥३॥
अपुनि बोइऐ आपे भरम ॥ करै न कारजु साधसंगि मृति तरम ॥३॥
अपुने आपि बिरथा समझाइ ॥ बिनु संसारे इक गुरु दिखाइ ॥४॥
अपुने आपि बिरथा समझाइ ॥ बिनु संसारे इक गुरु दिखाइ ॥४॥
नानक नामु अपरा अपारा ॥ गुर परसादी मिले सुखदाता ॥५॥१॥९॥२॥५२॥

॥ आसा ॥

आसा महला १ ॥

आसा महला १ ॥

सोचै सोचि न होवई जे सोची लख वारि ॥ चुपै चुप न होवई जे लाए रहा लिव तारि ॥१॥

सोचै सोचि न होवई जे सोची लख वारि ॥ चुपै चुप न होवई जे लाए रहा लिव तारि ॥१॥

भुखिया भुख न उतरी जे बना पुरी आइ ॥ सहसि सिआणपा लख होहि त इक न चलै नालि ॥१॥

भुखिया भुख न उतरी जे बना पुरी आइ ॥ सहसि सिआणपा लख होहि त इक न चलै नालि ॥१॥

सहसु सुरति वापारमा जे लदै लाए एक लिव तारि ॥

वेखै विगसै वणजारा खाइ कुदरति आपि विचारि ॥२॥

जिनि ईठै वसै मनमुख अगनि पचवरि ॥ नानक नदरी करमि पवै नदरी पाइआ नालि ॥३॥१॥१०॥२॥५३॥